कुरुक्षेत्र
जागरण सिटी

पर्यावरण बचाने का दिया संदेश 15

ण शुरू 15

दैनिक जागरण | पानीपत, मंगलवार 13 अगस्त 2013 | www.jagran.com

रक्तदान करने से पैदा होगी सामाजिक चेतना : ख्यालिया

- रक्तदान करने के लिए 3069 विद्यार्थियों ने कराया रजिस्ट्रेशन

जागरण संवाद केंद्र, कुरुक्षेत्र : कुवि में सोमवार को 3069 युवाओं ने रक्तदान के लिए पंजीकरण करा नया रिकॉर्ड बनाया। इस पंजीकरण ने साउथ कोरिया के रिकार्ड को तोड़ दिया। अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर 30 कॉलेजों के हजारों विद्यार्थियों ने रक्तदान करने का प्रण लिया। कार्यक्रम की आयोजक आइएसबीटीआइ संस्था के अध्यक्ष डॉ. युद्धवीर सिंह ख्यालिया ने कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में हजारों युवाओं का रक्तदान के लिए पंजीकरण कराने से देशभर में रक्तदान करने के लिए चेतना पैदा होगी।

उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक शिविर लाखों युवाओं को भविष्य में रक्तदान के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा कि यह देश में दुनिया का सबसे युवा देश है। देश की आधी से अधिक आबादी युवा होने के बाद देश में 3.6 लाख यूनिट खून की कमी पाई जाती है, जो चिंता का विषय है। कुवि के कुलपति डॉ. डीडीएस संधू ने रक्तदान के लिए बने इस रिकॉर्ड के लिए युवाओं को बधाई दी। आइएसबीटीआइ के सीईओ संजय गुप्ता ने कहा कि टीआइएसएस नेशनल सीएसआर हब के साथ आइएसबीटीआइ कुछ गैर सरकारी संगठनों में से एक है। आइएसबीटीआइ के अध्यक्ष डॉ. युद्धबीर सिंह की मदद से पांच हजार से अधिक शिविरों का आयोजन किया जा चुका है और पांच लाख से अधिक लोगों को इसके लिए प्रेरित किया गया है। इस नेक कार्य को करने एवं युवाओं को हिस्सेदार बनाने के लिए साढ़े तीन साल पहले दिल्ली की आइआइटी में ब्लड कनेक्ट की शुरुआत की गई थी, विभिन्न प्रदेश के 25 कॉलेज के विद्यार्थी हुए शामिल।

कार्यक्रम में उपस्थित आयुक्त डॉ. युद्धवीर सिंह ख्यालिया, उपायुक्त निखिल गजराज, डॉ. डीडी एस संधू आदि। जागरण

गिनती के लिए स्केनर का इस्तेमाल

ब्लड कनेक्ट के कोआर्डिनेटर आभास भारद्वाज ने बताया गिनीज विश्व रिकॉर्ड बनाने के लिए दो महत्वपूर्ण पहलुओं को अपनाया गया। प्रतिभागियों को गिनने के लिए आयोजकों ने बार-कोड स्केनर का इस्तेमाल किया। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय खेल स्टेडियम में रक्तदान करने वाले प्रतिभागियों को बार-कोड देकर प्रवेश कराया गया तथा गैर प्रतिभागियों को प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी गई। एक बार प्रवेश करने के बाद प्रतिभागियों को निर्देश दिया गया कि रक्त बूंद बनाने की प्रक्रिया पूरी होने तक वे अपना स्थान पर ही रहें। इस मौके पर जिला उपायुक्त निखिल गजराज, विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. कृष्ण चंद रल्हाण, सिटी मजिस्ट्रेट सतबीर कुंडू, एसडीएम अशोक बंसल, एनएसएस कोर्डिनेटर डॉ. सीडीएस कौशल, राजेंद्र सैनी, जिला रेडक्रास सचिव अजय वासन, प्रो. बृजेश साहनी, दलेल सिंह आदि उपस्थित रहे।

रक्तदान का दिया संदेश

सोमवार को केयू के खेल मैदान में विद्यार्थियों ने विश्व की सबसे बड़ी मानव रक्त बूंद श्रृंखला बनाने के लिए दस्तक दी। जिसमें 3069 के करीब युवाओं ने भाग लिया। युवाओं का उत्साह बढ़ाते हिसार रेंज के आयुक्त डॉ. युद्धवीर सिंह, कुलपति डॉ. डीडीएस संधू, कुलसचिव डॉ. कृष्ण चंद रल्हाण व अन्य। *(सबंधित खबर मुख्य संस्करण के पेज-1 पर)*

कुवि में बनाई विश्व की सबसे बड़ी रक्त बूंद

साउथ कोरिया का तोड़ा रिकॉर्ड, 3069 विद्यार्थियों ने करवाया पंजीकरण

हरिभूमि न्यूज. कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विवि के खेल स्टेडियम में सोमवार को युवा दिवस पर छात्र-छात्राओं ने विश्व की सबसे बड़ी मानव रक्त बूंद बनाई। इस अवसर पर 3069 छात्र-छात्राओं ने रक्तदान के लिए पंजीकरण करवा एक नया रिकॉर्ड कायम किया। साउथ कोरिया के बाद कुरुक्षेत्र की भूमि पर बने इस रिकॉर्ड में युवाओं में रक्तदान के लिए बढ-चढ़कर पंजीकरण करवा लोगों को रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया है। इससे पहले 23 फरवरी 2012 को बेकसियोक विश्वविद्यालय, साउथ कोरिया द्वारा 3006 लोगों द्वारा सबसे बड़ी मानव खून की बूंद का रिकॉर्ड बनाया गया था। इसके बाद कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में इतनी बड़ी संख्या में युवाओं ने रक्तदान के लिए पंजीकरण करवाया है। कार्यक्रम में डेरा सच्चा सौदा के सदस्यों मान सिंह, ओमप्रकाश, प्रवीण ने सुबह से पानी पिलाने का कार्य किया। कुवि कुलपति डीडीएस सिंधू ने कहा कि कुवि में हजारों युवाओं का रक्तदान के लिए पंजीकरण करवाने से देश भर में रक्तदान करने के लिए न केवल सामाजिक चेतना पैदा होगी बल्कि यह ऐतिहासिक कैम्प लाखों युवाओं को भविष्य में रक्तदान के लिए प्रेरित करेगा। इस मौके पर उपायुक्त निखिल गजराज, विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. कृष्ण रल्हाण, सतबीर कुंडू, अशोक बंसल, अनिल वशिष्ठ, कौशल, दलेल सिंह, बृजेश साहनी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

कुरुक्षेत्र। कुवि के खेल प्रांगण में बनी मानव रक्त बूंद का दृश्य। फोटो: हरिभूमि

30 संस्थानों ने प्रेरित किया

आईएसबीटीआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं हिसार रेंज के आयुक्त डॉ. युद्धवीर सिंह यालिया ने कहा कि 3069 युवाओं ने मानव रक्त बूंद बनाने में अहम योगदान दिया। इस युवा शक्ति को रक्त बूंद बनाने के लिए आईएसबीटीआई (इंटरनेशनल सोसायटी फॉर ब्लड ट्रांसफयूजन इण्डिया), कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के वीसी डा. डीडीएस सिंधू, जिला रेडक्रास सोसायटी, ब्लड कौनेक्ट आर्गेनाइजेशन दिल्ली तथा जिला प्रशासन के साथ-साथ 30 शिक्षण संस्थानों ने प्रेरित किया। आईएसबीटीआई से संजय गुप्ता ने बताया कि देश में इस संस्था ने 5 हजार शिविर लगाकर 5 लाख से ज्यादा लोगों को रक्त दान के लिए प्रेरित किया है। मानव रक्त बूंद के लिए प्रेरित करनी वाली ब्लड कौनेक्ट संस्था ने दिल्ली के 25 कालेजों के अलावा यूपी, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, हरियाणा के युवाओं को रक्त दान के लिए प्रेरित किया है। यह संस्था अब तक 65 रक्त दान शिविर लगा चुकी है।

हर व्यक्ति को जीवन में रक्तदान करना चाहिए : गजराज

रक्त दाताओं को बैज लगाकर प्रोत्साहित करते उपायुक्त निखिल गजराज व अन्य। (छाया : दुग्गल)

कुरुक्षेत्र, 8 अगस्त (जे.एस. दुग्गल, विजय शाह): उपायुक्त निखिल गजराज ने कहा कि रक्तदान जीवनदान है। हमारे द्वारा किया गया रक्तदान कई जिंदगियों को बचाता है। इस बात का एहसास हमें तब होता है, जब हमारा कोई अपना खून के लिए जिंदगी और मौत के बीच जूझता है। इसलिए हम सबको रक्तदान जरूर करना चाहिए क्योंकि रक्त कभी न कभी किसी की जिंदगी बचाने के जरूर काम आता है। गजराज आज जिला रेडक्रास सोसायटी द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में बतौर मुख्य अतिथि रक्तदाताओं को सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने सभी रक्तदाताओं को बैच लगाकर उनकी हौसला अफज़ाई की तथा रक्तदान करने वाले रक्तदाताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया। इस अवसर पर राजेंद्र सैनी द्वारा रक्तदान पर लिखित पत्रिका का भी उपायुक्त द्वारा विमोचन किया गया। शिविर में सिविल सर्जन डा. शिव कुमार, नगराधीश सतबीर सिंह कुंडु, जिला रोजगार अधिकारी आरपी सैनी, डीआईपीआरओ धर्मवीर सिंह, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी सुमन आर्य, रोड सेफ्टी के प्रधान लखविंद्र सिंह ग्रेवाल, एसबीआई के मुख्य प्रबंधक एचएस सैनी, राजेंद्र सैनी, विनोद पाल, सुधीर, डा. सुनील, ओम प्रकाश, प्रकाश चंद सहित भारी संख्या में रक्तदाता मौजूद रहे।

शिविर में उत्साह से रक्तदान

अमर उजाला ब्यूरो

कुरुक्षेत्र। जिला रेडक्रास सोसाइटी ने वीरवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया। कैंप में 104 लोगों ने रक्तदान किया। डीसी गजराज ने शिविर में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने कहा कि हम सभी शिक्षित और सभ्य समाज के नागरिक हैं, जो केवल अपनी ही नहीं, बल्कि दूसरों की भलाई के लिए भी सोचते हैं।

रक्तदान शिविर में बैज लगाते मुख्य अतिथि डीसी निखिल गजराज।

उपायुक्त ने कहा कि बारह अगस्त को विश्व की सबसे बड़ी मानव रक्त बूंद के गठन के लिए कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के स्टेडियम में कार्यक्रम किया जा रहा है। कार्यक्रम में लगभग पांच हजार युवा मानव रक्त बूंद की रचना करेंगे। डीसी ने सभी रक्तदाताओं को बैच और सम्मानित किया। इस दौरान राजेंद्र सैनी लिखित पत्रिका का भी उपायुक्त ने विमोचन किया। शिविर में जिला रेडक्रास सोसायटी के सचिव अजय वासन ने बताया कि जिले में विभिन्न धार्मिक, सामाजिक और शिक्षण संस्थाओं के सहयोग से 11 अगस्त तक प्रतिदिन रक्तदान कैंप का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर नगराधीश सतबीर सिंह, जिला रोजगार अधिकारी आरपी सैनी, जिला सूचना एवं जन सम्पर्क अधिकारी धर्मवीर सिंह, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी सुमन आर्य, रोड सेफ्टी के प्रधान लखविंद्र सिंह ग्रेवाल, एसबीआई के मुख्य प्रबंधक एचएस सैनी, राजेंद्र सैनी, विनोद पाल, सुधीर, डा. सुनील, ओम प्रकाश और प्रकाश चंद उपस्थित रहे।

रक्तदान करने के साथ दूसरों को भी करें प्रेरित : निखिल

पंचायत भवन में लगाया रक्तदान शिविर

भास्कर न्यूज | कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र | पंचायत भवन में रक्तदानियों को शपथ दिलाते डीसी

डीसी निखिल गजराज ने कहा कि रक्तदान जीवनदान है। हमारे द्वारा किया गया रक्तदान कई जिंदगी बचाता है। इस बात का एहसास हमें तब होता है, जब हमारा कोई अपना खून के लिए जिंदगी और मौत के बीच जूझता है। इसलिए हम सबको रक्तदान जरूर करना चाहिए। डीसी गजराज गुरुवार को जिला रेडक्रॉस सोसाइटी द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि रक्तदान करने से हम मानवता के सिद्धांत को दोहराते हैं। डीसी ने बताया कि 12 अगस्त को इंडियन सोसाइटी ऑफ ब्लड ट्रांसफ्यूजन व इम्यूनोहेमीट्रोलॉजी ब्लड को नेट दिल्ली द्वारा जिला रेडक्रॉस सोसाइटी के सहयोग से विश्व की सबसे बड़ी मानव रक्त बूंद के गठन का प्रयास कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के स्टेडियम में किया जाएगा। जिसमें पांच हजार युवा रक्तदाता एकत्रित होकर मानव रक्त बूंद की रचना करेंगे। सिविल सर्जन डॉ. शिव कुमार ने कहा कि कोई भी स्वस्थ व्यक्ति, जिसकी आयु 18 से 65 वर्ष के बीच हो और उसका वजन 45 किलोग्राम से अधिक हो, हिमोग्लोबिन 12 ग्राम प्रतिशत से अधिक हो, वह रक्तदान करने के योग्य है। उन्होंने कहा कि सबको संकल्प लेना चाहिए कि हम स्वयं रक्तदान जरूर करेंगे। सोसाइटी के सचिव अजय बासन ने बताया कि जिले में विभिन्न धार्मिक, सामाजिक व शिक्षण संस्थाओं के सहयोग से 11 अगस्त तक एक सप्ताह के लिए प्रतिदिन रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जा जाएगा।

आज समाज

326, ...-अंबाला/चंडीगढ़, पृष्ठ-4, रविवार, 25 नवम्बर 2012, शक संवत 1934, कार्तिक शुक्ल पक्ष 12, मार्गशीर्ष मास की 11 प्रविष्टे, 10 मुहर्रम हिजरी 1433, द्वादशी, मूल्य

सर छोटू राम को किया याद

कुरुक्षेत्र-कैथल

वार्षिकोत्सव में गीतों व नाटक से मोहा मन

श्रीचंद महाराज के 518वां प्रकाशोत्सव, राज्यपाल की पत्नी ने किया शिविर का उद्घाटन

360 लोगों ने किया रक्तदान

कबड्डी प्रतियोगिताद का भी किया अवलोकन

आज समाज नेटवर्क

पिहोवा। राज्यपाल की धर्मपत्नी शांति पहाड़िया ने उदासीन ब्रह्म अखाड़ा मांडी साहिब में धन-धन बाबा श्रीचंद जी महाराज के 518वें प्रकाशोत्सव पर विशाल रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया।

राज्यपाल की धर्मपत्नी शांति पहाड़िया ने रक्तदाताओं को बैच लगाने के बाद अंतर राज्य कबड्डी प्रतियोगिता का अवलोकन भी किया। इस रक्तदान शिविर में 360 लोगों ने रक्तदान किया है। शनिवार को पिहोवा खंडमंडल के गांव मांडी में उदासीन ब्रह्म अखाड़ा में राज्यपाल की धर्मपत्नी शांति पहाड़िया का संत बाबा गुरविंद्र सिंह ने पुष्प भेंट कर स्वागत किया। शांति पहाड़िया ने संत बाबा गुरविंद्र सिंह ने बातचीत कर राज्यपाल जगन्नाथ पहाड़िया का संदेश दिया और उदासीन ब्रह्म अखाड़ा के बारे में विस्तृत जानकारी भी ली।

रक्तदाताओं को बैच लगाती राज्यपाल की धर्मपत्नी शांति पहाड़िया।

वहां पर संत बाबा गुरविंद्र सिंह राज्यपाल की धर्मपत्नी शांति पहाड़िया को प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया। संत बाबा गुरविंदर सिंह, एसडीएम कमलप्रीत कौर, शाहबाद के एसडीएम सुशील कुमार, एमडी शुगर मिल के एमडी कैप्टन शक्ति सिंह, डीएसपी निर्मल सिंह, डीएसपी नवीन कुमार, डीएसपी शीतल सिंह आदि को सरोपा भेंट कर सम्मानित किया। इस मौके पर बाबा कुलदीप सिंह जत्थेदार, बाबा लवजोत सिंह, कुलवंत सिंह, मेजर सिंह सहित जिला के सभी अधिकारी व अन्य लोग मौजूद थे।